471. राजस्थान में अल्प वर्षा का मूल कारण क्या है-

(a) समुद्र से दूरी
(b) अरावली क्षेणी का विशिष्ट दिक्स्थापन
(c) अल्प वनावरण
(d) मरुस्थल का विस्तार

नोट - एक से अधिक विकल्प सही है।

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (*) राजस्थान में अल्प वर्षा के दो मुख्य कारण है- पहला- समुद्र से दूरी। जिसकी वजह से मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा राजस्थान तक पहुँचते-पहुँचते अपनी नमी खो देती है तथा दूसरा- अरावली श्रेणी का मानसून की अरब सागर शाखा के समान्तर स्थित होना है जिसके कारण अरब सागर से होकर आने वाली हवा अरावली के समान्तर निकल जाती है उससे टकराकर वर्षा नहीं करती है। इस प्रश्न को आयोग ने मूल्यांकन से हटा दिया है।

472. राजस्थान में जलोढ़ मिट्टी मुख्यतः किन जिलों में मिलती है-

(a) कोटा, बारां, झालावाड़
(b) भरतपुर, सवाई माधोपुर, धौलपुर
(c) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा
(d) सिरोही, उदयपुर, राजसमन्द

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (b) जलोढ़ मिट्टी नदियों द्वारा बहाकर लायी गई मिट्टी होती है। यह उपजाऊ मिट्टी होती है। यह रबी तथा खरीफ दोनों फसलों के लिए उपयुक्त होती है। राजस्थान में यह मिट्टी अलवर, जयपुर, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, भरतपुर, धौलपुर आदि जिलों में पायी जाती है।

473. पश्चिमी राजस्थान में अल्प वर्षा के लिए निम्नांकित में से कौनसा एक कारण नहीं है-

(a) अरावली की अवस्थिति
(b) वृष्टि छाया प्रदेश में अवस्थिति
(c) मानूसन आगमन के समय अति-उष्णता
(d) ग्रीष्मकाल के दौरान उच्च वायुदाब

JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (d) पश्चिमी राजस्थान में ग्रीष्मकाल के दौरान उच्चवायुदाब अल्प वर्षा का कारण नहीं है। पश्चिमी राजस्थान में अल्प वर्षा के कारण निम्नलिखित है–

- राजस्थान का पश्चिमी क्षेत्र अरावली का वृष्टिछाया प्रदेश होने के कारण अल्प वर्षा प्राप्त करता है।
- अरावली पर्वत माला मानसूनी हवाओं के समानांतर है।
- अत्यधिक गर्मी के कारण हवाओं की अधिकांश नमी वाष्पित हो जाती है।

474. कौन-सी समवर्षा रेखा राजस्थान को दो स्पष्ट जलवायु भागों में बाँटती है-

(a) 25 सेमी. (b) 50 सेमी.
(c) 60 सेमी (d) 70 सेमी.

हथकरघा निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2018
कनिष्ठ वैाानिक सहायक भर्ती परीक्षा-2019
अन्वेशक सीधी भर्ती परीक्षा-2019
JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (b) 50 सेमी. की समवर्षा रेखा राजस्थान को दो स्पष्ट जलवायु भागों में बाँटती है। यह 50 सेमी. मानक रेखा अरावली पर्वत माला को माना जाता है राजस्थान का सर्वाधिक आर्द्रता वाला जिला झालावाड़ तथा न्यूनतम जिला जैसलमेर है। राजस्थान में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान माउंट आबू है।

475. राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिए भौतिक कारण नहीं है-

(a) जलवायु
(b) वनोन्मूलन
(c) भूमि-उपयोग में परिवर्तन
(d) बालू व बालुका स्तूपों का एकत्र होना

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (c) राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिए प्रमुख भौतिक कारण– जलवायु, वनोन्मूलन, बालू व बालू का स्तूपों का एकत्र होना आदि प्रमुख है जबकि भूमि उपयोग में परिवर्तन मरूस्थलीकरण के लिए भौतिक कारण नहीं है। अतः विकल्प (c) सही है।

476. डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और झालावाड़ जिले किस जलवायु प्रदेश में सम्मिलित किये जाते हैं-

(a) अति आर्द्र
(b) उप-आर्द्र
(c) आर्द्र
(d) उष्ण कटिबन्धीय शुष्क

Investigator Exam Date- 21.08.2016

Ans. (a) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और झालावाड़ जिले अति आर्द्र जलवायु क्षेत्र में आते हैं। इसे जलवायु प्रदेश में 50-80 सेमी. के बीच वर्षा होती है।

477. राजस्थान के किस कृषि जलवायु प्रदेश में सबसे अधिक वर्षा होती है?

(a) शुष्क पश्चिमी मैदान
(b) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान
(c) सिंचित उत्तर पश्चिमी मैदान
(d) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (d) राजस्थान को कुल 10 कृषि जलवायु प्रदेशों में विभाजित किया गया है। राज्य के ''आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान'' कृषि जलवायु प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा होती है जो औसतन लगभग 700–1000 मिलीमीटर है। यह क्षेत्र मुख्यतः कोटा, झालावाड़, बूंदी आदि जिलों में है। शुष्क पश्चिमी मैदान के 100–400 mm वर्षा होती है।

478. राजस्थान में लौटते मानसून ऋतु की अवधि है?

(a) जुलाई से अगस्त (b) मार्च से जून
(c) अक्टूबर से दिसम्बर (d) जनवरी से फरवरी

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (c) राजस्थान में सितम्बर के अन्त तक दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर हो जाता है क्योंकि गंगा के मैदान का निम्न दबाव दक्षिण की ओर बढ़ने लगता है। जिसके कारण मानसून सितम्बर के पहले सप्ताह तक पश्चिमी राजस्थान से लौट जाता है। अतः अक्टूबर से नवम्बर या दिसम्बर तक लौटते मानसून ऋतु की अवधि है।